सत्यमेव जयते

प्रधान मंत्री
Prime Minister

नई दिल्ली
चैत्र 30, शक संवत् 1945
20 अप्रैल, 2023

प्रिय जान्वी टंडन

स्नेहाशीष। 'परीक्षा पे चर्चा' में हिस्सा लेने और इस विषय पर अपने विचार साझा करने के लिए आपका धन्यवाद। आप जैसे युवा साथियों के विचारों को जानना-समझना हमेशा उत्साहजनक होता है।

आज की युवा पीढ़ी की ऊर्जा, आत्मविश्वास और क्षमताओं को देखकर मुझे अत्यंत गर्व होता है। इस युवाशक्ति से हमारे देश की आशाएं और आकांक्षाएं जुड़ी हुई हैं।

युवाओं के सामने आज संभावनाओं और अवसरों के असीमित द्वार खुले हैं। प्रौद्योगिकी, चिकित्सा, नवाचार, खेल-कूद, स्टार्ट-अप समेत जिस भी क्षेत्र में अपना भविष्य बनाना चाहते हैं, उनके लिए सुविधाओं और संसाधनों की कोई कमी नहीं है।

अगले 25 वर्ष भारत का अमृत कालखंड है, जिसमें एक भव्य, विकसित और समर्थ राष्ट्र के निर्माण का संकल्प लेकर हम आगे बढ़ रहे हैं। यह 25 साल आपकी शिक्षा, आपके करियर, आपके व्यक्तित्व निर्माण के दृष्टिकोण से भी अत्यंत महत्वपूर्ण होने वाले हैं। आप जैसे-जैसे अपने भविष्य को गढ़ते जाएंगे, उससे देश को भी नई दिशा मिलेगी।

मुझे पूरा विश्वास है कि भारत की युवाशक्ति अपने व्यक्तिगत संकल्पों के साथ देश के संकल्पों को जोड़कर राष्ट्र को प्रगति की नई ऊंचाइयों पर ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

आप जीवन की हर परीक्षा में सफलता प्राप्त करें, इस विश्वास के साथ आपको उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं।

आपका,

(नरेन्द्र मोदी)

Pariksha Pe Charcha 2023

सत्यमेव जयते

प्रधान मंत्री
Prime Minister

समृद्ध भारत के लिए पंच प्राण

अगले 25 वर्षों की अमृतकाल की यात्रा के साथ हम अपनी स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष में प्रवेश करेंगे। आइए, हम सब मिलकर इस पूरे कालखंड को देश के लिए निर्णायक और अविस्मरणीय बनाएं। इस संकल्प की सिद्धि के लिए 'पंच प्राण' को अपनाते हुए हमें आगे बढ़ना है। ये पांच सिद्धांत हमारे भारतवर्ष को और अधिक ऊंचाइयों पर ले जाएंगे।

विकसित भारत का विराट संकल्प

गुलामी की मानसिकता से मुक्ति

अपनी विरासत पर गर्व

एकजुटता को सुदृढ़ रखना

कर्तव्य निर्वहन को प्राथमिकता